

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न कुण्डली के लिए अंशायुर्दय की गणना करें।
लग्न-मकर 01:25, सूर्य-वृश्चिक 28:27, चन्द्रमा-सिंह 12:30, मंगल-धनु 04:25, बुध-वृश्चिक 8:19, गुरु-तुला 23:53, शुक्र-तुला 24:39, शनि(व)-कर्क 15:16, राहु-वृषभ 18:35 (14.12.1946, 9:27, दिल्ली)
2. क) आयुर्दय का वर्गीकरण किस प्रकार करते हैं? आयुर्दय निर्धारण के किसी कुण्डली में जानने क्या नियम है?
ख) निम्न जातक की आयु किस वर्ग में आती है? समझाएं :-
लग्न-सिंह 10:58, सूर्य-कर्क 29:59, चन्द्र-वृषभ 27:05, मंगल-मिथुन 12:02, बुध-कर्क 11:41, गुरु-कर्क 27:16, शुक्र-कर्क 27:39, शनि-सिंह 20:38, राहु-सिंह 14:59 (17.8.1979, 6:50, हैदराबाद)
3. क्या आप किसी जातक की मृत्यु का फलादेश कर सकते हैं? समझाएं। निम्न जातक की मृत्यु 9.6.1990 को हुई। क्या आप इस घटना का फलादेश कर सकते थे :
लग्न-तुला 4:46, सूर्य-मीन 13:11, चन्द्र-कुंभ 05:45, मंगल-मकर 17:28, बुध-मीन 20:25, गुरु(व)-तुला 20:53, शुक्र-मेष 11:48, शनि-मेष 12:49, राहु-मेष 17:52 (27.3.1911, सांय 7:45, दशा शेष-मंगल 0-9-23)
4. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
क) दिन मृत्यु और दिन रोग
ख) योगारिष्ट
ग) छिद्र ग्रह
घ) मारक ग्रह
5. निम्न का उत्तर दें :-
क) बालारिष्ट दोष का निवारण किन योगों से होता है?
ख) किन योगों से मध्यायु इगित होती है?

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. किसी कुण्डली में जन्मजात रोग जानने के क्या योग है? निम्न कुण्डली का अध्ययन कर अपना मत प्रकट करें :
लग्न-मकर 23:34, सूर्य-कर्क 2:36, चन्द्रमा-मीन 13:47, मंगल-कुंभ 15:36, बुध-कर्क 17:48, गुरु-कर्क 27:45, शुक्र-मिथुन 24:19, शनि-मिथुन 11:57, राहु-वृषभ 02:33 (19.7.2003, 19:49, विशाखापटनम)
7. मानव शरीर का चित्र बनाकर, विभिन्न अंगों को कौन से नक्षत्र दर्शाते हैं, दिखाएं?
8. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :
क) नवांश व द्বেष्कोण का महत्त्व (ख) कुण्डली का नैसर्गिक बल (ग) गुलिका व मन्दी (घ) अस्त व वक्त्री ग्रह
9. क) लम्बी अवधि के रोगों के क्या योग हैं?
ख) निम्न जातक पैदायशी बधिर व मूक है। ज्योतिषीय कारण बताएं :-
लग्न-तुला 25:43, सूर्य-मेष 1:25, चन्द्र-तुला 20:42, मंगल-वृषभ 12:57, बुध-मीन 10:43, गुरु-मीन 16:52, शुक्र-कुंभ 27:49, शनि(व)-वृश्चिक 27:17, राहु-मीन 17:16, (15.4.1987, 20:00, राजमुंडरी आ.प्र.)
10. निम्न का उत्तर दें :-
क) हृदय संबंधी रोग के क्या योग होते हैं? उदाहरण सहित समझाएं।
ख) मानसिक रोग होने के योग उदाहरण सहित समझाएं।